रटो पार्वती के भरतार, करेंगे भव से बेड़ा पार ....

रटो पार्वती के भरतार, करेंगे भव से बेड़ा पार |
शिव नंदे के असवार -२, करेंगे भव से बेड़ा पार ||

कैलाश के राजा आप महाराजा, शोभा बरनी न जाई |
गौरा संग में बाए अंग में, शेषनाग लिपटाए |
जाता जूट में गंग की धार, करेंगे भव से बेड़ा पार || १ ||

भष्मासुर सुर को दे दिया हरी ने, भष्म कड़ा अतिभारी |
वो दीवाना सोचे दाना, हर ल्यु शिव कि नारी |
लिया मन में कपट विचार , करेंगे भव से बेड़ा पार || २ ||

शम्भू भाग्या डर जब लाग्या, तीन लोक घबराये |
देवो ने जब माया पलटी, विष्णु प्रकट हो आये |
लिया रूप मोहिनी धार, करेंगे भव से बेड़ा पार || ३ ||

सीताराम राधेश्याम , रटता माला तेरी |
आया शरण में पड़्या चरण में, लाज राखियो म्हारी |
शिव निराधार आधार, करेंगे भव से बेड़ा पार || ४ ||

जय शंकर की....
जय श्री नाथजी की.....